मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने श्रीनाथजी की विशेष पूजा-अर्चना की। उन्होंने मुखारविन्द का जल एवं दुग्धाभिषेक किया।

मुख्यमंत्री भजनलाल ने पुंछरी ग्राम में गोवर्धन पूजा की

सप्तकोसीय परिक्रमा मार्ग में जगह-जगह मुख्यमंत्री का भव्य स्वागत हुआ

डीग (निस)। मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने शनिवार को डीग जिले के ग्राम पूंछरी में श्रीनाथजी मंदिर में विधि-विधान से गोवर्धन पूजा की।

उन्होंने प्रदेशवासियों को दीपावली, गोवर्धन पूजा एवं भाईदूज पर्व की हार्दिक शुभकामनाएं दीं और प्रदेश में सुख-समृद्धि, सम्पन्नता और खुशहाली के लिए कामना की है। श्रीनाथजी मंदिर के महंतों ने मंदिर परंपरा के अनुसार मुख्यमंत्री का स्वागत किया। मुख्यमंत्री को देख श्रद्धालुओं में उत्साह एवं प्रसन्नता देखने को मिली । सप्तकोसी परिक्रमा मार्ग में जगह-जगह पर आमजन ने माला पहनाकर मुख्यमंत्री भजन लाल शर्मा का स्वागत किया। मुख्यमंत्री ने उपस्थित जनों से मुलाकात की, बुजुर्गों से आशीर्वाद लिया तथा सभी को गोवर्धन पूजा की शुभकामनाएं दी। इस अवसर पर उन्होंने कहा कि राजस्थान प्रदेश विकसित राज्य बने ऐसी उनकी कामना है। इससे पूर्व पूंछरी हेलीपैड पर गृह राज्य मंत्री जवाहर सिंह बेढ म, डीग-कुम्हेर विधायक डॉ. शैलेश सिंह, विधायक बहादुर सिंह कोली, आईजी राहुल प्रकाश, जिला कलेक्टर डीग उत्सव कौशल, जिला पुलिस अधीक्षक राजेश मीणा सहित अन्य अधिकारीयों एवं जनप्रतिनिधियों ने मुख्यमंत्री भजन लाल शर्मा की अगवानी की। गोवर्धन पूजा के अवसर पर श्रीनाथजी मंदिर में धूमधाम के साथ अन्नकूट महोत्सव का भी आयोजन किया गया। छप्पन प्रकार के पकवान बनाकर बाल भोग तैयार किया गया। जिसे श्रद्धालुओं में अन्नकूट प्रसाद के रूप में वितरित किया गया। मंदिर को पुष्पों से भव्य तरीके से सजाया गया और भगवान श्रीनाथजी की विशेष पूजा-अर्चना की गई। इस अवसर पर भजन लाल शर्मा ने दुग्धाभिषेक किया।

- **डीग जिले के पुंछरी ग्राम में श्रीनाथजी मंदिर में अन्नकूट महोत्सव का भी आयोजन किया गया, जिसमें 56 प्रकार के पकवान का बाल भोग तैयार किया गया व श्रद्धालुओं में अन्नकूट प्रसाद के रूप में वितरित किया गया।**

काँगो से 13 दिन बाद महेन्द्र राठौड़ का शव जोधपुर पहुंचा

केन्द्रीय पर्यटन मंत्री गजेन्द्र सिंह शेखावत ने शव को जोधपुर लाने में अहम भूमिका अदा की

- **जोधपुरवासी महेन्द्र को उसकी कम्पनी ने अपेंडिक्स की परेशानी के कारण अस्पताल में भर्ती कराया था, जहाँ उपचार के दौरान उसकी मौत हो गयी।**
- **कंपनी के संचालक मृतक का दाह संस्कार काँगो में ही कराने के लिए दबाव बना रहे थे, जिसके कारण उसके परिजनों को मौत पर संदेह हो गया।**

जोधपुर, (कासं)। अफ्रीकी देश काँगो में जोधपुर के एक युवक महेंद्र राठौड़ की संदेहपूर्ण परिस्थिति में मौत हो गई थी। उसका शव पिछले 13 दिनों से काँगो में अटका हुआ था। शव जोधपुर नहीं पहुंचने पर पूर्व मुख्यमंत्री अशोक गहलोत ने सोशल मीडिया पर इसका मुद्दा उठाया था।

केंद्रीय पर्यटन मंत्री गजेंद्र सिंह शेखावत ने प्रयास कर शव को जोधपुर लाने में अहम् भूमिका अदा की, जिसके बाद महेन्द्र राठौड़ का शव आज जोधपुर पहुंचा। महेंद्र काँगो में एक कंपनी में काम करता था।

जहाँ 19 अक्टूबर को संदेहपूर्ण हालात में उसकी मौत हो गई। कंपनी का कहना कि उसकी मौत एपैंडिक्स के कारण हुई थी। कंपनी द्वारा शव को रोके जाने पर परिवार के लोगों को संदेह पैदा हुआ।

केंद्रीय पर्यटन मंत्री गजेंद्र सिंह शेखावत ने इसको गंभीरता से लेते हुए काँगो की एम्बैसी से संपर्क किया। राजस्थान एसोसिएशन ऑफ़ नॉर्थ अमेरिका के अध्यक्ष प्रेम भंडारी से भी परिवार वालों ने गुहार लगाई थी। तेरह दिन बाद महेंद्र का शव एयर इंडिया की फ्लाइट से मुंबई पहुंचा, फिर आज दोपहर में जोधपुर पहुंचा।

ज्ञातव्य है कि, महेंद्र जिस कंपनी में काम करता था उनकी तरफ से एपैन्डिक्स की समस्या के कारण उसे अस्पताल में भर्ती करवाया बताया गया था, जहां उपचार के बीच उसकी मौत होना बताया गया। घरवालों ने उसकी मौत पर संदेह जताया। महेंद्र की मौत के बाद कंपनी संचालक उसका अंतिम संस्कार वहीं करने के लिए दबाव बना रहा था। इसलिए परिवार वालों को संदेह हुआ।

लश्कर का ...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

आतंकवादियों ने सुरक्षा बलों पर गोलीबारी शुरू कर दी और सेना के जवाबी हमले के बाद, दोनों पक्षों के बीच मुठभेड़ शुरू हो गयी। मुठभेड़ में एक आतंकवादी मारा गया और चार सुरक्षाकर्मी घायल हो गये।

उन्होंने बताया कि अनंतनाग में कछवान के हलकान गली में सुरक्षा बलों और आतंकवादियों के बीच मुठभेड़ उस समय शुरू हुई, जब संयुक्त बल जंगल क्षेत्र में तलाश अभियान चला रहे थे। इसी दौरान, वहां छिपे हुए आतंकवादियों ने सुरक्षा बलों पर गोलीबारी शुरू की। जवाबी कार्रवाई में सुरक्षा बलों ने भी गोलियां चलायी, जिसके बाद दोनों पक्षों के बीच मुठभेड़ शुरू हो गयी। मुठभेड़ में दो आतंकवादी मारे गये हैं। यहां सुरक्षा बलों का अभियान अभी जारी है।

इस बीच बांदीपोरा जिले में कल रात गोलीबारी के बाद बड़े पैमाने पर तलाश अभियान जारी है।

उन्होंने बताया कि बांदीपोरा के पनार इलाके में संदिग्ध गतिविधियां देखी गयीं। जब आतंकवादियों को ललकारा गया तो उन्होंने अंधाधुंध गोलीबारी शुरू कर दी और जंगल में भाग गये।

बशीर अहमद ने प्रियंका गांधी का समर्थन किया

नयी दिल्ली, 02 नवंबर (वार्ता) इंडियन नेशनल लीग के राष्ट्रीय कार्यकारी अध्यक्ष एवं संसदीय बोर्ड के अध्यक्ष प्रो बसीर अहमद खान ने पार्टी से इस्तीफा दे दिया है और केरल की वायनाड लोकसभा सीट से चुनाव लड़ रहीं कांग्रेस उम्मीदवार प्रियंका गांधी वाड्रा को समर्थन देने की घोषणा की है।

खान ने शनिवार को यहां जारी एक बयान में वायनाड क्षेत्र के मतदाताओं से प्रियंका वाड्रा को भारी मतों से जिताने की अपील की है। उन्होंने कहा कि श्रीमती वाड्रा उत्पीड़न और अन्याय के खिलाफ तथा वंचितों के हक में हमेशा अपनी आवाज बुलंद करती रही हैं। इसके मद्देनजर उन्होंने श्रीमती वाड्रा का समर्थन करने का फैसला लिया है।

उन्होंने कहा, हमें उम्मीद है कि श्रीमती वाड्रा की लोकसभा में मौजूदगी से मौजूदा सरकार की निरंकुशता पर लगाम लगाने में मदद मिलेगी।

जनता से 'असम्भव वादे' क़रना धोखा देना है-मोदी

उन्होंने कहा कि कांग्रेस को समझ आ रहा है कि झूठे वादे लागू करना असंभव होता है

- **प्रधानमंत्री ने कहा, हिमाचल प्रदेश, कर्नाटक और तेलंगाना के सरकारी कोष की हालत बद से बदतर होती जा रही है।**

नयी दिल्ली, 02 नवंबर। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने कांठोस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे के आरोप पर पलटवार करते हुए शुक्रवार को कहा कि चुनाव जीतने के लिए जनता से 'असंभव वादे' करना आम लोगों के साथ 'भयानक धोखा' है।

मोदी ने एक्स पर अपनी पोस्ट में लिखा, कांग्रेस पार्टी इस बात को भली-भांति समझ रही है कि झूठे वादे करना तो आसान है लेकिन उन्हें सही ढंग से लागू करना कठिन या असंभव है। अभियान दर अभियान वे लोगों से ऐसे वादे करते हैं, जिन्हें वे भी जानते हैं कि वे कभी पूरा नहीं कर पाएंगे। अब, वे लोगों के सामने बुरी तरह बेनकाब हो गये हैं। उन्होंने कहा,किसी भी राज्य को देख लें जहाँ आज कांग्रेस की सरकारें हैं - हिमाचल प्रदेश, कर्नाटक और तेलंगाना। इन राज्यों में विकास गतिविधियां और सरकारी कोष की हालत बद से बदतर होती जा रही है। उनकी तथाकथित गारंटी अधूरी पड़ी है, जो इन राज्यों के लोगों के साथ एक भयानक धोखा है। ऐसी राजनीति के शिकार गरीब, युवा, किसान और महिलाएं होते हैं, जिन्हें न केवल इन वादों के लाभ से वंचित किया जाता है, बल्कि उनके लिए पहले से चलायी जा रहीं योजनाएं भी कमजोर पड़ जाती हैं।

मोदी गारन्टी भारतवासियों से सबसे बड़ा मजाक-खड़गे

कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे ने मोदी की 100 दिवसीय योजना को सस्ता पी.आर. स्टंट बताया

- **खड़गे ने कहा कि मोदी के 2 करोड़ नौकरी के वादे तथा अच्छे दिन लाने के वादे का क्या हुआ। उन्होंने कहा कि रुपया आज तक के सबसे निचले स्तर पर पहुंच गया है।**

नयी दिल्ली, 02 नवंबर। कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी पर पलटवार करते हुए कहा है कि उन्होंने झूठे जुमले गढ़े है और देश की जनता के साथ वादा खिलाफी की है इसलिए उन्हें दूसरों पर उंगली उठाने से पहले बताना चाहिए कि देश की 140 करोड लोगों के साथ क्यों मजाक किया है। खरगे ने कहा कि मोदी की गारंटी भारतीयों के लिए मजाक है। उन्होंने 2 करोड़ नौकरियां देने का वादा किया था उसका क्या हुआ। उन्होंने अच्छे दिनों को लेकर भी सवाल किया और कहा कि रुपया अब तक के सबसे निचले स्तर पर पहुंच गया है, इसको लेकर मोदी के वादे का क्या हुआ। उन्हें बताना चाहिए कि उनके ना खाऊंगा ना खाने दूंगा के नारे का क्या हुआ।

उन्होंने कहा कोई भी पीएम मोदी की तरह झूठ नहीं बोल सकता। झूठ, छल, कपट, लूट, झूठ प्रचार आपकी सरकार की असलियत हैं। सौ दिवसीय योजना के बारे में ढोल पीटना आपका एक सस्ता पीआर स्टंट था। खरगे की यह टिप्पणी श्री मोदी के बयान के जवाब में आयी है। श्री खरगे ने एक दिन पहले कहा था कि पार्टी नेता उतनी ही गारंटी का वादा करें, जितना आप दे सकते हैं। इस पर मोदी ने कहा कि कांग्रेस पार्टी को यह बात समझ में आ रही है कि झूठे वादे करना तो आसान है, लेकिन उन्हें सही तरीके से लागू करना मुश्किल या नामुमकिन है।

अडानी का...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

इस क्षेत्र में अनिल अम्बानी ने भी रूचि है। वे भी भूटान के सोलर व हाइड्रो एनर्जी डवलप करने के लिए बात कर रहे हैं।

भारत ने दी कैनडा को रिश्ते बिगाड़ने की चेतावनी

अमित शाह पर बेतुके आरोप लगाने पर भारत ने कड़ी प्रतिक्रिया की

- **विदेश मंत्रालय के प्रवक्ता ने इसे कैनडा सरकार की भारत को बदनाम करने की नीति का भाग बताया।**

नयी दिल्ली, 02 नवंबर। भारत ने कनाडा के एक उप मंत्री द्वारा भारत सरकार के गृह मंत्री पर बिना सबूत आरोप लगाने और भारतीय राजनयिकों को धमकाने एवं उत्पीड़न पर कड़ा विरोध व्यक्त करते हुए कनाडा सरकार को चेतावनी दी कि उसकी इस तरह की गैर-जिम्मेदाराना कार्रवाइयों से द्विपक्षीय संबंधों पर गंभीर असर होंगे।

विदेश मंत्रालय के प्रवक्ता रणधीर जायसवाल ने शनिवार को यहां नियमित ब्रीफिंग में कनाडा से जुड़े विभिन्न सवालों के जवाब में कहा, हमने शुक्रवार को कनाडाई उच्चायोग के प्रतिनिधि को तलब किया था। उन्हें 29 अक्टूबर को ओटावा में सार्वजनिक सुरक्षा और राष्ट्रीय सुरक्षा पर स्थायी समिति की कार्यवाही के संदर्भ में एक राजनयिक नोट सौंपा गया है। नोट में बताया गया है कि भारत सरकार, कनाडा सरकार में उप मंत्री डेविड मॉरिसन द्वारा समिति के समक्ष भारत के केंद्रीय गृह मंत्री के बारे में किए गए बेतुके और निराधार संदर्भों का कड़े शब्दों में विरोध करती है।

जायसवाल ने कहा कि वास्तव में, यह रहस्योद्घाटन केवल उस दृष्टिकोण की पुष्टि करता है जो भारत सरकार लंबे समय से वर्तमान कनाडाई सरकार के राजनीतिक एजेंडे और व्यवहार शैली के बारे में रखती है कि कनाडा के उच्च अधिकारी भारत को बदनाम करने और अन्य देशों को प्रभावित करने की एक सुविचारित रणनीति के तहत जानबूझकर अंतरराष्ट्रीय मीडिया में निराधार आक्षेप लीक करते हैं।

प्रवक्ता ने कहा कि कनाडाई उच्चायोग के प्रतिनिधि को स्पष्ट कर दिया गया है कि इस तरह की गैर-जिम्मेदाराना कार्रवाइयों से द्विपक्षीय संबंधों पर गंभीर परिणाम होंगे।

कनाडाई साइबर सुरक्षा रिपोर्ट में भारत को एक शत्रु देश के रूप में वर्गीकृत किये जाने के बारे में पूछे जाने पर उन्होंने कहा, यह भारत पर हमला करने की कनाडाई रणनीति का एक और उदाहरण प्रतीत होता है। जैसा कि मैंने पहले उल्लेख किया है, उनके वरिष्ठ अधिकारियों ने खुले तौर पर स्वीकार किया है कि वे भारत के खिलाफ वैश्विक धारणा को बदलना चाहते हैं। अन्य अवसरों की तरह, इस रिपोर्ट में भी भारत पर बिना किसी सबूत के आरोप लगाए गए हैं।

कनाडा की सरकार द्वारा भारतीय राजनयिकों एवं अन्य अधिकारियों पर निगरानी रखे जाने के बारे में पूछने पर जायसवाल ने कहा, हमारे कुछ कांसुलर अधिकारियों को हाल ही में कनाडाई सरकार द्वारा सूचित किया गया है कि वे ऑडियो और वीडियो निगरानी में हैं और बने रहेंगे। उनके संचार को भी इंटरसेप्ट किया गया है।

इस पर हमने औपचारिक रूप से कनाडाई सरकार का विरोध किया है क्योंकि हम इन कार्यों को प्रासंगिक राजनयिक और कांसुलर प्रावधानों का घोर उल्लंघन मानते हैं। तकनीकी बातों का हवाला देकर कनाडाई सरकार इस तथ्य को सही नहीं ठहरा सकती कि वह उत्पीड़न और धमकी में लिप्त है। हमारे राजनयिक और कांसुलर कर्मी पहले से ही उठावाद और हिंसा के माहौल में काम कर रहे हैं।

कनाडाई सरकार की यह कार्रवाई स्थिति को खराब करती है और स्थापित राजनयिक मानदंडों और प्रथाओं के साथ असंगत है।

ओटावा में कनाडा में दीपावली समारोह रद्द किए जाने के बारे में पूछे जाने पर उन्होंने कहा कि हमने इस संबंध में कुछ रिपोर्ट देखी हैं। यह दुर्भाग्यपूर्ण है कि कनाडा में मौजूदा माहौल असहिष्णुता और उठावाद के उच्च स्तर पर पहुंच गया है।

एक अन्य प्रश्न के उत्तर में उन्होंने कहा कि हम स्पष्ट रूप से भारत के उन छात्रों और अस्थायी श्रमिकों की कुशलक्षेम की निगरानी कर रहे हैं जो इस समय कनाडा में हैं। उनकी सुरक्षा और संरक्षा को लेकर हम बहुत चिंतित हैं।

जैव विविधता ...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

एशियन हाथियों की संख्या 50,000 से कम है, तथा यह पिछले 75 सालों में 50 प्रतिशत कम हो गई है, घड़ियालों की संख्या मात्र 650 है, जो एक शताब्दी में 98 प्रतिशत कम हो गये हैं, टाइगर्स की संख्या 3,890 है तथा ये एक सदी में 96 प्रतिशत कम हो गये हैं।

इस रिपोर्ट में भारत की नीची रैंकिंग को लेकर, कांग्रेस ने मोदी सरकार पर प्रहार किये हैं।

कांग्रेस महासचिव तथा मीडिया-प्रभारी जयराम रमेश ने 'एक्स' पर पोस्ट किया है, "जब भी, भारत को किसी वैश्विक सूचकांक (ग्लोबल इंडैक्स) में बहुत नीची रैंक मिलती है, देश के नॉन-बायलॉजिकल प्रधानमंत्री के ढोल पीटने वालों तथा चीयरलीडर्स की त्वरित प्रतिक्रिया में, उस इंडेक्स पर ही हमला बोला जाता है तथा उसे एजेंडा-संचालित बिज़ीबॉडी एनजीओ भारत को बदनाम करने का षड़यंत्र बताने लग जाते हैं। लेकिन, देखना यह है कि अभी-अभी जारी हुए "नेचर कन्जर्वेशन इन्डेक्स" पर भारत की प्रतिक्रिया क्या होगी, जिसमें भारत की रैंक 180 देशों में 176 वीं, अर्थात बहुत ही दयनीय रही है।"

अपना...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

के बाद देबरॉय एक थिंकर और बुद्धिजीवी थे तथा अखबारों में नियमित रूप से स्तंभ लिखा करते थे। प्रधानमंत्री मोदी ने उनकी सराहना करते हुए कहा कि, महाभारत, वाल्मीकि रामायण, भगवद् गीता, हरिवंश-पुराण, विष्णु पुराण, शिव पुराण, ब्रह्मानंद पुराण जैसे संस्कृत महाकाव्यों का अंग्रेजी में अनुवाद करके देश के युवाओं को मार्गदर्शन दिया है।

भारत-चीन के अधिकारियों की बैठक शीघ्र

नयी दिल्ली, 02 नवंबर। सरकार ने आज कहा कि चीन के साथ आर्थिक संबंधों एवं वीज़ा एवं आवाजाही शुरू करने के लिए दोनों देशों के संबंधित अधिकारियों के बीच जल्द ही एक बैठक होगी।

विदेश मंत्रालय के प्रवक्ता रणधीर जायसवाल ने आज यहां नियमित ब्रीफिंग में चीन के साथ वास्तविक नियंत्रण रेखा (एलएसी) पर अप्रैल 2020 की स्थिति की बहाली को लेकर हुए समझौते के बाद वीज़ा एवं आर्थिक संबंधों की बहाली के बारे में पूछे जाने पर कहा कि कज़ान में नेताओं (प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और चीन के राष्ट्रपति शी जिनपिंग) की बैठक में यह सहमति भी हुई है कि द्विपक्षीय संबंधों को स्थिर और पुनर्निर्माण करने के लिए विदेश मंत्रियों और अन्य अधिकारियों के स्तर पर प्रासंगिक वार्ता तंत्र का उपयोग किया जाएगा। जल्द ही ये तंत्र एक-दूसरे के हित और चिंता के मुद्दों से निपटने के लिए मिलेंगे। एलएसी पर मौजूदा स्थिति पर स्पष्टीकरण मांगे जाने पर प्रवक्ता ने कहा, आप सभी जानते हैं कि 21 अक्टूबर को भारत और चीन के बीच आखिरी चरण के डिसएंगेजमैंट (सेनाओं को पीछे हटाने) पर सहमति बनी थी।

परिणामस्वरूप, डेमचोक और डेपसांग में पारस्परिक रूप से सहमत शर्तों पर सत्यापन गश्त शुरू हो गई है। हम आपको ताज़ा स्थिति की जानकारी देते रहेंगे।

'फर्जी क्लेम ...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

याचिका खारिज कर दी। स्थाई लोक अदालत के पीठासीन अधिकारी अनूप कुमार सक्सैना व दीपक चाचान ने यह आदेश सुरेश कुमार गुर्जर की याचिका पर दिया।

लोक अदालत ने कहा कि प्रार्थी ने ऐसा कोई साक्ष्य पेश नहीं किया है जिससे साबित हो कि जिस ट्रॉली का एक्सीडेंट होना बताया गया है, उसकी मरम्मत कब और किससे करवाई व इसकी सूचना विपक्षी बीमा कंपनी को क्यों नहीं दी। ऐसा लगता है कि प्रार्थी ने अपने वाहन में कोई अन्य ट्रॉली जोड़कर यह झूठा क्लेम दायर किया है।

मामले से जुड़े अधिवक्ता रविन्द्र शर्मा ने बताया कि प्रार्थी ने याचिका दायर कर कहा कि उसने विपक्षी बीमा कंपनी से अपनी टाटा सिग्ना-लाइन ट्रॉली की पॉलिसी 19 अगस्त 2020 को ली थी। इस दौरान 17 सितंबर 2020 को वाहन का एक्सीडेंट हो गया। उसने बीमा कंपनी को इसकी सूचना दे दी। वाहन को मरम्मत के लिए वर्कशॉप पर दिया और इसका 9.16 लाख रुपए का बिल कंपनी को दिया, लेकिन कंपनी ने उसे क्लेम नहीं दिया। इसलिए स्थाई लोक अदालत में चुनौती देते हुए बीमा कंपनी से क्लेम दिलवाने का आग्रह किया। बीमा कंपनी की ओर से कहा गया कि क्लेम याचिका मिलीभगत कर दायर की गई है। दोनों पक्षों को सुनने के बाद लोक अदालत ने क्लेम याचिका को खारिज कर दिया है।

कर्नाटक में कन्नड़ भाषा का मजाक उड़ाने...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

इस मुद्दे को अपना लिया है। मुख्यमंत्री ने इस मुद्दे को लेकर यह संकेत दिया है कि अगर सम्भव हुआ तो राज्य एक योजना लायेगा तथा उसमें इस बात पर विचार किया जायेगा कि क्या उन लोगों के खिलाफ राजद्रोह के आरोप लगाये जाये, जो लोग राज्य और राज्य की भाषा की कथित रूप से हँसी उड़ाते हैं। सरकार का यह कदम विभिन्न कन्नड़-समर्थक संगठनों की भावनाओं को ताकत प्रदान करेगा।

कन्नड़-समर्थक "मोड" में आते हुये, मुख्यमंत्री सिद्धारमैया ने शुक्रवार को "कर्नाटक राज्योत्सव" समारोह को सम्बोधित करते हुये, अपने इस निर्णय की घोषणा कर दी कि कर्नाटक में निर्मित सभी उत्पादों पर कन्नड़ में मुद्रित लेबल भी लगे होने चाहिये। विभिन्न कन्नड़ संगठनों एवं प्रतिष्ठानों ने सरकार के इस आदेश का स्वागत किया है। मुख्यमंत्री ने सरकारी तथा निजी क्षेत्र से कहा कि वे यह सुनिश्चित करें कि कर्नाटक में बने उत्पादों पर कन्नड़ में छपे लेबल भी लगे हों। मुख्यमंत्री का यह बयान सरकार के उन कदमों में एक है, जो सरकार कर्नाटक में कन्नड़ भाषा को प्रचारित-प्रसारित करने के लिये उठा रही है।

सिद्धारमैया ने एक ऐसा वातावरण बनाने के महत्व पर जोर दिया, जो कन्नड़ सीखने तथा उसके दैनिक उपयोग को प्रोत्साहित करें। उन्होंने कहा "हम कर्नाटक में कन्नड़ का एक ऐसा माहौल बनायेंगे कि लोग इस भाषा को सीखें तथा दैनिक व्यवहार में इसका प्रयोग करें। यह कन्नड़ भाषा को दिया जाने वाला एक प्रकार का सम्मान होगा।"

उन्होंने सलाह दी कि गैर-कन्नड़ भाषी लोगों को कन्नड़ भाषा सीखनी चाहिये ताकि कर्नाटक की ग्रोथ में इसकी भूमिका बलवती हो सकें। सिद्धारमैया ने घोषणा की कि ऐतिहासिक मैसूर जिला आयुक्त के दफ्तर परिसर, जो "अदद्दा काचेरी" के नाम से प्रसिद्ध है, में कन्नड़ म्यूज़ियम स्थापित किया जायेगा।

कर्नाटक के उपमुख्यमंत्रा डी.के. शिवकुमार ने कहा कि हमारा लक्ष्य कन्नड़ को "जीवन की भाषा" बनाने का है। उपस्थित जन समुदाय को सम्बोधित करते हुये, उन्होंने कहा, "हमारा उद्देश्य कन्नड़ को जीवन की भाषा बनाना है। हम सबके लिये यह आवश्यक है कि हम अपनी भूमि के झंडे को ऊँचा फहराकर अपनी मातृभूमि के प्रति सम्मान प्रदर्शित करें।" इसके बाद उन्होंने कहा कि राज्य का नाम कर्नाटक रखे हुये 50 साल हो गये हैं। उन्होंने जोर देते हुये कहा, "हमारा मानना है कि हमारी भूमि स्वर्ग है, हमारी भाषा दैवीय है तथा तुंगे, भादरा, कावेरी और कृष्णा (नदियों का) का जल पवित्र है।"

भाषा के इस भावनात्मक मुद्दे पर, भाजपा कुछ असुविधाजनक स्थिति महसूस कर रही है क्योंकि पड़ोसी राज्य तमिलनाडु में अपने हिन्दी-समर्थक रूख के कारण, वह बड़ी मुश्किल में पड़ गई थी। प्रसंगवश बता दें कि कर्नाटक ऐसे मुद्दों के मामले में, बहुत ही विनम्र राज्य रहा है तथा बैंगलुरू के रहने वाले भाषा के मामले में बड़े सहज तथा समायोजनवादी प्रवृत्ति वाले लोग हैं। वहाँ की संस्कृति वैश्विक संस्कृति है तथा इस शहर में किसी भी व्यक्ति को तब तक कोई परेशानी नहीं होती, जब तक कि अन्य राज्यों से आये हुये अपनी अकड़ न दिखायें तथा ऐसे प्रश्न न करें कि हम कन्नड़ क्यों बोलें। ये प्रवासी लोग आमतौर से यही कहते हैं कि भारत में प्रत्येक स्थान पर काम चलाने के लिये हिन्दी पर्याप्त है।

राजनाथ सिंह ने कानपुर के तोप कारखाने का निरीक्षण किया

लखनऊ 02 नवम्बर। रक्षामंत्री राजनाथ सिंह ने शनिवार को कानपुर स्थित एडवांस्ड वेपन्स एंड इक्विपमेंट इंडिया लिमिटेड (एडब्ल्यूईआईएल) की इकाई, फील्ड गन कारखाने का दौरा कर महत्वपूर्ण रक्षा क्षमताओं का जायजा लिया। रक्षा मंत्रालय के अनुसार इस कारखाने को टैंक टी-90 और धनुष तोप सहित विभिन्न आर्टिलरी गन तथा टैंकों की बैरल और ब्रीच असेंबली बनाने में विशेषज्ञता हासिल है।

सिंह ने महत्वपूर्ण स्वदेशी रक्षा क्षमताओं का जायजा लेने के लिए कारखाने के हीट ट्रीटमेंट और न्यू असेंबली शॉप सहित प्रमुख सुविधाओं का निरीक्षण किया।

इस अवसर पर उनके साथ सचिव (रक्षा उत्पादन) संजीव कुमार और रक्षा अनुसंधान एवं विकास विभाग के सचिव तथा डीआरडीओ के अध्यक्ष डॉ. समीर वी. कामत भी थे।

शॉप फ्लोर के दौरे के पश्चात रक्षा मंत्री को कानपुर स्थित रक्षा सार्वजनिक क्षेत्र के तीन उपक्रमों (डीपीएसयू) - एडब्ल्यूईआईएल, ट्रूप कम्फर्ट्स इंडिया लिमिटेड, ग्लाइडर्स इंडिया लिमिटेड - के मुख्य प्रबंध निदेशक (सीएमडी) और कानपुर स्थित डीआरडीओ प्रयोगशाला, रक्षा सामग्री और भंडार अनुसंधान एवं विकास प्रतिष्ठान के निदेशक द्वारा जानकारी दी गयी।

पांच नवम्बर को ...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

उपलब्ध करती है। इससे भारत से अमेरिका को होने वाले निर्यात तथा अमेरिका से भारत को होने वाले निर्यात दोनों ही बढ़ सकते हैं। अमेरिका ऐतिहासिक रूप से नवाचार (इनोवेशन) का हब रहा है। मजबूत आर्थिक योजना टेक्नोलॉजी तथा रिसर्च के क्षेत्र में साझेदारी को प्रोत्साहित कर सकती है तथा इससे अमेरिकन तथा भारतीय-दोनों ही बाजारों को लाभ हो सकता है। इसके अतिरिक्त, अमेरिका की आर्थिक स्थिरता वैश्विक स्थिरता में योगदान दे सकती है, जो कि भारत जैसे उन देशों के लिए महत्वपूर्ण है, जो अपनी आर्थिक ग्रोथ तथा भू-राजनैतिक चुनौतियों पर विशेष ध्यान दे रहे हैं।

राष्ट्रदूत (एचयूएफ) के लिए मुद्रक एवं प्रकाशक सोमेश शर्मा द्वारा राष्ट्रदूत प्रेस, जी1/63 इंडस्ट्रीयल एरिया फेस प्रथम, जालौर, (राज.) से मुद्रित एवं प्रकाशित। संपादक-राजेश शर्मा, आर.एन.आई. नं. RAJHIN/2006/17286 जयपुर कार्यालय: सुधर्मा एम.आई.रोड, जयपुर। फोन: 2372634, 4103333-34, फैक्स : 0141-2373513, कोटा कार्यालय : पलायथा हाऊस, छत्रपति शिवाजी मार्ग, कोटा। फोन: 2386031, 2386032,फैक्स:0744-2386033, बीकानेर कार्यालय : कुम्भाना हाऊस, हनुमान हत्था, बीकानेर। फोन: 2200660, फैक्स 0151-2527371, उदयपुर कार्यालय: आयड मैन रोड आयड, उदयपुर। फोन: 2413092, फैक्स : 0294-2410146, अजमेर कार्यालय: राष्ट्रदूत भवन, चुंगी नाका के पास, अजमेर। फोन: 2627612, फैक्स:0145-2624665 जालोर कार्यालय :- जी 1/63, इन्डस्ट्रीयल एरिया, फेस प्रथम, जालोर। फोन226422,226423, फैक्स: 02973-226424 हिण्डौनसिटी कार्यालय :- जी -1-201, रीको औद्योगिक क्षेत्र, हिण्डौनसिटी। फोन: 230200, 230400, फैक्स: 07469-230600 चूरू कार्यालय : एच-150, रीको औद्योगिक क्षेत्र, चूरू, फोन : 256906, 256907, फैक्स: 01562-256908